भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-18 अंक-01 वि. स. 2078 युगाब्द 5123 मार्च-2022 डिजिटल संस्करण

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

मार्गदर्शक :

- डॉ. कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोकः प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

जन्म - 23 जनवरी 1498 निधन - 1546

कृष्ण भक्तमीराबाई

नित्यप्रेमदिव्याग्नि में, तप कर बनी विशुद्ध।
दीवानी श्रीकृष्ण की, मीरा हुई प्रसिद्ध।।
पलपल जिसके श्वास में, सदा कृष्ण का नाम।
मीरा की है अर्चना, वंदन नमन प्रणाम।।

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य

आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई./डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

"प्रकृति हमें देती है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।"

प्रकृति अपने सम्पूर्ण संसाधनों के साथ दिन-रात मानव समाज की सेवा में लगी रहती है। इस तथ्य से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। प्राकृतिक विधान के अनुसार तो परहित में ही अपना हित निहित है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी यही बात कही है - **"परहित सरिस धर्म नहिं भाई।** "जीवन का यह अनुभूत सत्य है कि जब हम दूसरों के काम आते हैं तभी हमारा काम बनता है। इस दृष्टि से प्रकृति अथवा ईश्वर से प्राप्त वस्तु, योग्यता और सामर्थ्य के द्वारा सर्वदा दूसरों के हित में रत रहना स्वयं के हित के लिए भी आवश्यक है। इस असार संसार में सभी प्राणी सुख की कामना करते हैं पर सुख तो जीवन नहीं है। सुख-दुःख, दिन-रात के साथ आने जाने वाली वस्तुएं हैं। आंशिक सुख-दुख सभी के जीवन में होता है। वस्तुतः सुख-दुख तो जीवन जीने के साधन सामग्री की तरह हैं। इनके सदुपयोग में हम स्वाधीन हैं। इसलिए जीवन में प्राप्त सुख के द्वारा दुखियों के काम आना चाहिए। अतः जो जिस अंश में जितनी मात्रा में सुखी है उस अंश में उसे सेवा करना तथा जिस अंश में दुखी है उस अंश में त्याग को अपनाना चाहिए। तभी समाज में समरस, अभिन्न और एक रूप हुआ जा सकता है। यह सत्य है कि व्यवहार में यदि अपनी योग्यता, क्षमता और सामर्थ्य का सदुपयोग दूसरों की सेवा के लिए नहीं किया जाएगा तो वह केवल अपने सुख सुविधा एवं भोग का साधन हो जाएगा। प्रकृति से प्राप्त वस्तुओं को आवश्यकता वाले व्यक्तियों के बीच सेवार्थ बाँट कर उपयोग करने की बात शास्त्रों में कही गई है। अनेक संतों ने भी कहा है- **"जो पाया सो बाँटना।"** इस तरह सेवा से भोग भी योग हो जाता है।

आज समाज के कुछ लोगों में अपनी परम्पराओं और पर्वों के प्रति उदासीनता का भाव देखने में आता है। संभवतः इनमें निहित वैज्ञानिक तथ्यों को या तो वे देख-समझ नहीं पाते अथवा पाश्चात्य संस्कृतियों के प्रभाव के कारण उनमें भटकाव की स्थिति आ जाती है। कभी-कभी दूसरे लोग हमें अपनी संस्कृति से भटकाने का कुचक्र चलाने का प्रयास भी करते हैं। ये सभी स्थितियाँ उचित नहीं हैं। ऐसे में हमें अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक नागरिक की तरह सतर्क होकर, गुण-दोष का विचार करते हुए अपनी श्रेष्ठ परम्पराओं का सम्मान करना होगा और यही हम सभी के लिए हितकर होगा।

"शिवो भूत्वा शिवम् यजेत्" अर्थात् हम कल्याण स्वरूप होकर कल्याण करें और परस्पर एक दूसरे का हित करें, इस शुभ संकल्प के साथ महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शंकर की उपासना के उपरान्त आइए हम सब एक मन, एक प्राण होकर बुराइयों का परित्याग करें और मीराबाई की अडिग निष्ठा और श्रद्धा-भक्ति से प्रभावित, अनुप्राणित होकर जनकल्याणार्थ अपने आराध्य को प्रसन्न करें। होलिका का दहन कर मन, वचन और कर्म से सबके सुख:दुख में सहभागी बनें, इन्हीं आशाओं और शुभ मंगल कामनाओं के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

-शिव

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प

प्रकल्प की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन :

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प में छात्राएं ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षा के साथ साथ IIT/JEE और NEET की तैयारी भी कर रही हैं। पढ़ाई के साथ साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन संस्थान द्वारा एक नियमित अंतराल पर कराया जाता है। शिक्षकों की मेहनत का सुपरिणाम है कि हमारे प्रकल्प में अध्ययनरत द्वितीय बैच की छात्राएं जिन्होंने इस वर्ष कक्षा 11 की परीक्षा उत्तीर्ण की है, उन सभी का वार्षिक परीक्षाफल अति उत्तम रहा। लगभग सभी छात्राओं ने अपने अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। इन छात्राओं

को उनके विद्यालय में कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।

इस वर्ष से छात्राओं के उत्साहवर्धन हेतु संस्थान की ओर से किसी एक छात्रा को स्टूडेंट ऑफ़ दि मंथ के रूप में सम्मानित करते हुए 500 रूपये अतिरिक्त छात्रवृत्ति भी प्रदान कर रहे हैं जो कि उनके सम्पूर्ण प्रदर्शन व उपस्थिति के आधार पर तय की जाती है। यह सम्मान हर छात्रा को और अधिक मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके सुपरिणाम भी देखने को मिल रहे हैं।

संस्थान का यह पहला बैच है जो इस वर्ष की प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेगा। पूर्ण विश्वास है कि छात्राओं का प्रदर्शन संस्थान के बालकों के प्रदर्शन से भी अच्छा रहेगा। सभी छात्राओं को आने वाली बारहवीं कक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के लगभग 5 वर्ष पुराने अक्षय सेवा प्रकल्प के माध्यम से दिल्ली के 3 अस्पतालों के निकट दोपहर के भोजन वितरण का कार्य बिना नागा चल रहा है। प्रतिवर्ष 7 लाख से अधिक लोगों को और कोरोना काल में तो पूरी दिल्ली में भोजन वितरण करते हुए अब तक लगभग 41 लाख से अधिक लोगों को भोजन कराते हुए प्रकल्प के कार्यकर्ता हर्ष का अनुभव करते हैं और साथ ही सभी को आत्म-संतुष्टि की अनुभूति होती है। अनेक महानुभावों के सक्रिय सहयोग जिसमें अपने हाथों से भोजन वितरण में भाग लेना भी सम्मिलित है के कारण न्यास और प्रकल्प के कार्यकर्ताओं को और अधिक जोश से इस कार्य को आगे ले जाने का मन बनता है। अतः आप सभी का सक्रिय सहयोग इसे अनवरत चलाने के लिए अपेक्षित है।

समर्थ भारत

AC & Refrigerator Batch Meeting at AMPL

समर्थ भारत के अशोक नगर प्रशिक्षण केंद्र में ए सी और रेफ़्रिजरेटर का प्रशिक्षण ले चुके और प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षार्थियों को सेवा भारती दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्रीमान रमेश अग्रवाल जी से मिलने एवं उनका आशीर्वाद लेने हेतु 21 फ़रवरी 2022 को सुबह 11 बजे आना हुआ। साथ ही उनकी कम्पनी अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स (AMPL), पीतमपुरा, नई दिल्ली में रोज़गार के साक्षात्कार हेतु 13 शिक्षार्थियों का जाना हुआ, जिसमें से 9 शिक्षार्थियों का चयन कर लिया गया है। उन्हें उनके घर के आसपास ही पहले कुछ दिन कार्य का प्रशिक्षण देकर फिर नौकरी पर रख लिया जाएगा। उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी भी शिक्षार्थियों को दी गयी तथा उनके प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

इस कार्यक्रम में श्री भारत भूषण जी (दिल्ली प्रान्त कार्यवाह – राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने भी भाग लिया तथा शिक्षार्थियों का मार्ग दर्शन किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षार्थियों को उपहार स्वरुप टूल किट रखने हेतु बैग भी दिये गए।

मनोरंजन केंद्र, कड़कड़डूमा केंद्र का उद्घाटन समारोह

दिनांक – 24 फ़रवरी 2022,
दिन - गुरुवार, समय - सुबह 11:00 बजे

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा आनंद विहार क्षेत्र में मनोरंजन केंद्र, कड़कड़डूमा गांव में समर्थ भारत प्रकल्प का प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के नाते से माननीय कुलभूषण आहूजा जी (मा. प्रांत संघचालक- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दिल्ली) और विशिष्ट

अतिथि के नाते से श्रीमान आदेश गुप्ता जी (अध्यक्ष, भाजपा, दिल्ली) उपस्थित रहे। श्रीमान ओमप्रकाश शर्मा जी (विधायक विश्वास नगर), माननीय रमेश अग्रवाल जी (अध्यक्ष, सेवा भारती, दिल्ली प्रान्त), श्री दयानंद जी (कार्यकारिणी सदस्य, दिल्ली प्रान्त-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) और श्री विनोद जैन जी (विभाग मंत्री, पूर्वी विभाग, सेवा भारती) का सानिध्य भी रहा। साथ ही गरिमामयी उपस्थिति रही श्री अशोक बंसल जी (Managing Director - Nextra Developers) और श्री संजय दत्ता जी (Looks Salon Pvt. Ltd.- Founder) की। केंद्र के शुभचिंतक गट के रूप में श्रीमती गुंजन गुप्ता जी, श्री विनोद बंसल जी, श्री मनोज बंसल जी, श्री मयंक चामडीया जी सहित सभी क्षेत्रीय प्रबुद्ध महानुभावों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। यह प्रशिक्षण केंद्र दसवीं पास युवाओं को विभिन्न तकनीकी प्रशिक्षण देगा, जिससे वे स्वावलंबी व आत्मनिर्भर भारत की ओर अपना योगदान दे सकें। इस प्रशिक्षण केंद्र में निम्न विषयों के प्रशिक्षण की व्यवस्था वर्तमान में की गयी है:

- महिलाओं के लिए ब्यूटिशियन
- पुरुषों के लिए हेयर स्टाइलिस्ट, ए.सी. तथा फ्रिज तकनीशियन, वाशिंग मशीन तकनीशियन तथा घरेलु उपकरण रिपेयर तकनीशियन।

अर्बन कंपनी पार्टनर प्रशिक्षण (ब्यूटिशियन बैच की बहनों के लिए)

दिनांक - 25.02.2022, दिन – शुक्रवार, समय - सुबह 11:00 बजे

आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बन हेतु समर्थ भारत द्वारा संचालित ब्यूटिशीयन प्रशिक्षण का पहला बैच हमारे कुछ केंद्रों में पूर्ण हो गया है और शिक्षार्थियों को सर्टिफिकेट भी प्राप्त हो गया है। कुछ केंद्रों में पहले तथा कुछ में दूसरे बैच का प्रशिक्षण चल रहा है। 25 फ़रवरी को प्रातः 11 बजे समर्थ भारत के केंद्रीय कार्यालय 93, साउथ अवेन्यू दिल्ली में हमारे सभी केंद्रो में ब्यूटिशीयन का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी तथा

वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बहनों को अर्बन क्लैप प्लेटफ़ॉर्म में पार्टनर बनने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में जानकारी अर्बन कम्पनी से आये प्रशिक्षक शिवाजी एवं तरशिला जी के द्वारा दी गयी। उन्होंने बहनों के द्वारा पूछे गए सभी सवालों के उत्तर भी दिए। इस कार्यक्रम में प्रकल्प के 10 प्रशिक्षकों तथा 135 बहनों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में हमारे नए सहयोगी PCTI की ओर से भी एक दल का आना हुआ जिन्होंने बहनों से एक ट्रेनिंग फीडबैक फॉर्म भरवाया।

दीक्षांत समारोह - ए सी और रेफ्रीजरेटर, हेयर स्टाइलिस्ट बैच

समर्थ भारत के प्रशिक्षण केन्द्रों में अलग-अलग स्किल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी श्रृंखला में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले न्यू अशोक नगर व कोंडली, मयूरविहार प्रशिक्षण केंद्र में ए.सी. और रेफ्रीजरेटर के 21 तथा हेयर स्टाइलिस्ट के 13 प्रशिक्षार्थियों का दीक्षांत समारोह 27 जनवरी को प्रातः 9 बजे ज्वाइंट फार्म, प्लाजा मार्केट के नजदीक, न्यू अशोक नगर में हुआ, जिसमें उन्हें प्रमाणपत्र वितरण के साथ – साथ गणमान्य अतिथियों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान दयानंद जी (कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दिल्ली प्रान्त) उपस्थित रहे। साथ ही श्रीमान सुनील कक्कड़ जी (माननीय विभाग संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पूर्वी विभाग), श्रीमान विरेश कुमार जी (माननीय जिला संघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मयूर विहार जिला) और श्रीमती माधवी बहुगुणा जी (पूर्व प्रिंसिपल, सरकारी विद्यालय) का सानिध्य भी प्राप्त हुआ।

समर्थ भारत के प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण तथा रोजगार का विवरण

क्रमांक	पाठ्यक्रम	वर्तमान प्रशिक्षार्थी	कुल प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थी	रोजगार कर रहे प्रशिक्षार्थी	अपना काम कर रहे प्रशिक्षार्थी
1.	ब्यूटीशियन (महिला)	91	115	8	
2.	ब्यूटीशियन (महिला)		13	5	
3.	ए. सी. और रेफ्रीजरेटर (पुरुष)		21	6	5
	कुल संख्या	91	149	19	5

समर्थ भारत सेंटर 5 पूर्वी दिल्ली - मयूर विहार। (ब्यूटिशियन क्लास) Beautician Batch - 1

समर्थ भारत एयरकंडीशनर (Air Conditioner) रिपेयर ट्रेनिंग। Centre-7, New Ashok Nagar, East Delhi

समर्थ भारत फ्रिज (Fridge Repair) रिपेयर ट्रेनिंग। Centre-7, New Ashok Nagar, East Delhi

देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित विश्राम सदन

देवभूमि उत्तराखंड में स्थित ऋषिकेश विश्राम सदन में सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले रोगियों व उनके सहायकों के लिए अस्पताल के निकट ही विश्राम सदन स्थापित करने की योजना न्यास के कार्यकर्ताओं ने की। इसका प्रमुख कारण है कि यहाँ उपचार के लिए आने वालों को अभी रहने इत्यादि के लिए बहुत अधिक राशि व्यय करनी पड़ती है। विशेषतः आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए तो यह बहुत ही कष्टकारी हो जाता है। इसी हेतु से न्यास ने वहाँ पर विश्राम सदन की स्थापना का निश्चय किया था। इस प्रस्तावित माधव सेवा विश्राम सदन के नक़्शे की स्वीकृति का कार्य बहुत आगे बढ़ चुका है और जल्द ही स्वीकृति मिलने की संभावना है। तत्पश्चात वहाँ पर भूमि पूजन का विशाल कार्यक्रम किया जाएगा और निर्माण कार्य प्रारम्भ होगा।

उत्साहित दानदाताओं ने CSR फंड के अंतर्गत न्यास के खाते में राशि जमा कराना शुरू कर दिया है। उनका यह कदम न्यास के कार्यकर्ताओं में नवीन उत्साह का संचार करता है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भवन निर्माण का कार्य तीव्र गति से करते हुए हम विश्राम सदन का शीघ्र ही लोकार्पण कर सकेंगे।

देवभूमि ऋषिकेश में बनने वाले माधव सेवा विश्राम सदन की विशेषताएं

- माधव सेवा विश्राम सदन की वास्तुशिल्प संरचना 'पारंपरिक भारतीय स्थापत्य' के आधार पर किए जाने की योजना है। यहाँ उपचार के लिए आने वालों को गंगा माँ के दर्शनों और आशीर्वाद का लाभ भी यहाँ हो सके, इसकी व्यवस्था करने की भी योजना है।

- लगभग 300 लोग स्वच्छ और मनमोहक वातावरण में रह सकें, उपचार में होने वाले कष्ट को भजन कीर्तन, सत्संग एवं ध्यान आदि के माध्यम से कुछ समय के लिए भूल सकें ऐसी व्यवस्था भी रहेगी। पुस्तकालय के साथ साथ कुछ मनोरंजक खेलों की व्यवस्था भी इसी उद्देश्य से की जा रही है। मुख्यतः कुछ बच्चे जो साथ में आ जाते हैं उनके मनोरंजन के लिए आयु के अनुसार खेल इत्यादि की व्यवस्था भी रहेगी।
- प्रातः व सायंकाल में सैर करने के लिए भी उचित स्थान बनाया जाएगा।
- विश्राम सदन के साथ साथ फिसियोथेरेपी और नेचुरोपैथी केन्द्रों की स्थापना की भी योजना है ताकि केंद्र में ठहरने के लिए आने वाले रोगियों को बहुत कम शुल्क में यह व्यवस्थाएं मिल सकें और इसके लिए उन्हें बाहर ना भटकना पड़े।
- उपचार के लिए आने वाले रोगी और उनके सहायक अपनी आखों का परीक्षण करवाकर आवश्यकता अनुसार चश्मे प्राप्त कर सकें ऐसी व्यवस्था भी न्यास की ओर से रहेगी।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन की स्थापना प्रस्तावित है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार ह्रदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या CSR00004454

80G में न्यास की पंजीकरण संख्या AAATB1049GF20217

न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या 136550134

भारतीय स्टेट बैंक, केद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361

IFSC : SBIN0000625

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प के अंतर्गत लखनऊ में 3 बस्तियों- सेवा समर्पण संस्थान बिन्दौवा, 51 शक्ति पीठ बक्शी का तालाब और अम्बेडकर नगर में सप्ताह में एक दिन जाकर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा वहां के रोगियों का परीक्षण किया जाता है और फिर निशुल्क दवा वितरण का कार्य किया जाता है। इस कार्य के लिए भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा एक वैन की व्यवस्था की गई है जिसके द्वारा चिकित्सक और उनके सहायक औषधियों के साथ ही उन तय बस्तियों में जाते हैं और चिकित्सा सेवा प्रदान करते हैं।

माधव राव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र, निराला नगर, लखनऊ में प्रतिदिन एलोपेथिक और होम्योपैथिक चिकित्सक अपनी सेवाएं देने के लिए आते हैं। इसी प्रकार रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम में प्रतिदिन होम्योपैथिक चिकित्सक अपनी सेवाएं देते हैं। अनेक वर्षों से यह प्रक्रिया अनवरत चल रही है।

51 शक्तिपीठ पर रोगी का स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉ. के. एस. श्रीवास्तव।

माधवराव देवड़े रुग्ण सेवा केन्द्र पर रोगी का परीक्षण करते डॉ. विशाल केसरवानी।

सेवा समर्पण संस्थान विन्दौआ में अपना पंजीकरण कराते रोगी।

पावन स्मृति - मार्च

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं-

दिनांक	दिवस	महापुरूष/घटना का नाम
3 मार्च	पुण्य-तिथि	स्वतंत्रता सेनानी: लाला हरदयाल
3 मार्च	जन्म-दिवस	कारगिल युद्ध का सूरमा : संजय कुमार
8 मार्च	जन्म-दिवस	महान विट्ठलभक्तः सन्त तुकाराम
11 मार्च	जन्म-दिवस	सिन्धु का क्रान्तिवीरः हेमू कालाणी
11 मार्च	बलिदान-दिवस	सम्भाजी का हिन्दुत्व के लिए बलिदान
21 मार्च	जन्म-तिथि	विश्वविविख्यात खगोलशास्त्री: आर्यभट
21 मार्च	जन्म-तिथि	विश्वनाथ के आराधक: बिस्मिल्ला खाँ
23 मार्च	बलिदान -दिवस	भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव का अमर बलिदान
23 मार्च	जन्म-दिवस	कृष्ण प्रेम में दीवानीः मीराबाई
25 मार्च	बलिदान -दिवस	गणेश शंकर विद्यार्थी का बलिदान
29 मार्च	पुण्य-तिथि	सेवा और समर्पण के अनुपम साधक: गुरु अंगद देव
30 मार्च	जन्म-दिवस	आदर्श कार्यकर्ता: अप्पा जी जोशी

कीर्तिशेष शिवकुमार पारीक

इस असार संसार में कुछ भी स्थिर नहीं है। सब कुछ चलायमान है। जन्म-मृत्यु यह सब प्रकृति की लीला है। जिसने धरती पर जन्म लिया है। उसे एक दिन इस नश्वर शरीर को त्यागना ही है। यही महाकाल का नियम है, तथापि व्यक्ति का यशः शरीर उसके उत्तम कार्य सूक्ष्म रूप में सृष्टि के अन्त तक विद्यमान रहते हैं।

83 वर्षीय श्री शिवकुमार पारीक एक उच्च शिक्षित गृहस्थ थे। 1968 से पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के निजी सचिव के रूप में उनके साथी बन कर जीवन पर्यन्त उतार-चढ़ाव, सुख-दुःख के समय साथ रहे। उनका सहज सरल एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व रहा। बड़ी-बड़ी मूछें रखने के कारण वे मूछों वाले भाई साहब के नाम से जाने जाते रहे। जयपुर के रहने वाले पारीक जी जनसंघ के समय से ही बड़े लोकप्रिय रहे। लखनऊ रहकर मा. अटल जी के संसदीय कार्यक्षेत्र का कार्य संभालते हुए 21 मार्च 1999 से 14 नवम्बर 2019 तक भाऊराव देवरस सेवा न्यास के न्यासी तथा तत्पश्चात् विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में न्यास को अपनी सेवाएं देते रहे। 5 मार्च 2022 को दिल्ली में उपचार के मध्य उनके प्राण पखेरू उड़ गए। उनका पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। अंतिम संस्कार उनके पैतृक स्थान जयपुर में दोनों बेटों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

श्री शिवकुमार जी के निधन से न केवल भाऊराव देवरस सेवा न्यास परिवार और संघ परिवार दुःखी है, अपितु दिल्ली, जयपुर एवं भारत के कोने-कोने में स्थित उनके जानने वाले सभी दुःखी हैं। हम सभी उनकी दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हुए उनके प्रति विनम्र श्रद्धंजलि अर्पित करते हैं।

सम्पादक
सेवा संवाद एवं न्यास परिवार

।।ॐ शांतिः शांतिः शांतिः ।।

कृष्ण भक्त मीराबाई (1498-1546)

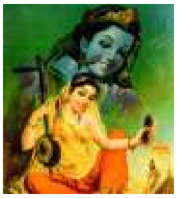

मीराबाई का जन्म सन 1498 ई॰ में पाली के कुड़की गांव में दूदा जी के चौथे पुत्र रतन सिंह के घर हुआ। ये बचपन से ही कृष्णभक्ति में रुचि लेने लगी थीं। मीरा का विवाह मेवाड़ के सिसोदिया राज परिवार में हुआ। उदयपुर के महाराजा भोजराज इनके पति थे जो मेवाड़ के महाराणा सांगा के पुत्र थे। विवाह के कुछ समय बाद ही उनके पति का देहान्त हो गया। पति की मृत्यु के बाद उन्हें पति के साथ सती करने का प्रयास किया गया, किन्तु मीरा इसके लिए तैयार नहीं हुईं। पति की मृत्यु पर भी मीरा ने अपना श्रृंगार नहीं उतारा, क्योंकि वह गिरधर को अपना पति मानती थीं। वे विरक्त हो गई और साधु-संतों की संगति में हरिकीर्तन करते हुए अपना समय व्यतीत करने लगीं। ये मंदिरों में जाकर वहाँ मौजूद कृष्णभक्तों के सामने कृष्णजी की मूर्ति के आगे नाचती रहती थीं। संत रविदास उनके गुरु थे। मीराबाई का कृष्णभक्ति में नाचना और गाना राज परिवार को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने कई बार मीराबाई को विष देकर मारने की कोशिश की। मीरा का रहस्यवाद और भक्ति की निर्गुण मिश्रित सगुण पद्धति सर्वमान्य बनी। आज भी लोग श्रध्दा भक्ति और आदर के साथ मीराबाई के भजनों का गायन करते हैं।

लाला हरदयाल

लाला हरदयाल का जन्म 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली में हुआ था। जीवन के शुरुआती दिनों में ही उन पर आर्य समाज का काफी प्रभाव पड़ा। साथ ही वे भीकाजी कामा, श्याम कृष्ण वर्मा और विनायक दामोदर सावरकर से भी जुड़े हुए थे। उन्होंने प्रसिद्ध अखबारों के लिए कठोर लेख लिखना शुरू किया तो ब्रिटिश सरकार ने उनके कठोर लेखों को देखते हुए उन पर प्रतिबंध लगाया। तब लाला लाजपत राय ने उन्हें भारत छोड़कर विदेश चले जाने की सलाह दी।

1910 में हरदयाल सेन फ्रांसिस्को (अमेरिका) पहुचे। वहां उन्होंने भारत से गये मजदूरों को संगठित किया, "गदर" नामक पत्र निकाला और इसी के आधार पर पार्टी का नाम भी "गदर पार्टी" रखा। प्रथम विश्वयुद्ध आरम्भ होने पर लाला हरदयाल ने भारत में सशस्त्र क्रान्ति को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाया।

लंदन में लाला हरदयाल जी भाई परमानन्द, श्याम कृष्ण वर्मा आदि के सम्पर्क में आए। उन्होंने श्याम कृष्ण वर्मा के सहयोग से 'पॉलिटिकल मिशनरी' नाम की एक संस्था बनाई। इसके द्वारा भारतीय विद्यार्थियों को राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने का प्रयत्न करते रहे। दो वर्ष बाद वे भारत वापस आ गए।

हरदयाल जी लाहौर पहुँचे और 'पंजाब' नामक अंग्रेज़ी पत्र के सम्पादक बन गए। उनका प्रभाव बढ़ता देखकर सरकारी हल्कों में जब उनकी गिरफ़्तारी की चर्चा होने लगी तो लाला लाजपत राय ने आग्रह करके उन्हें विदेश भेज दिया। वे पेरिस पहुँचे। श्याम कृष्ण वर्मा और भीकाजी कामा वहाँ पहले से ही थे। लाला हरदयाल ने वहाँ जाकर **'वन्दे मातरम्'** और **'तलवार'** नामक पत्रों का सम्पादन किया। 1910 ई में हरदयाल सेन फ़्राँसिस्को, अमेरिका पहुँचे।

भारत के प्रति अपनी निष्ठा और भक्ति के कारण वे मरकर भी अमर हो गए।

महान गणितज्ञ आर्यभट (476-550)

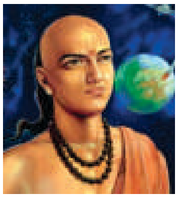

आर्यभट प्राचीन भारत के एक महान ज्योतिषविद् और गणितज्ञ थे। इन्होंने आर्यभटीय ग्रंथ की रचना की जिसमें ज्योतिषशास्त्र के अनेक सिद्धांतों का प्रतिपादन है।

आर्यभट द्वारा रचित तीन ग्रंथों की जानकारी आज भी उपलब्ध है। दशगीतिका, आर्यभटीय और तंत्र। लेकिन जानकारों के अनुसार उन्होनें और एक ग्रंथ लिखा था- आर्यभट सिद्धांत। इस समय उसके केवल 34 श्लोक ही उपलब्ध हैं। उनके इस ग्रंथ का सातवें शतक में व्यापक उपयोग होता था।

उन्होनें **आर्यभटीय** नामक महत्वपूर्ण ज्योतिष ग्रन्थ लिखा, जिसमें वर्गमूल, घनमूल, समान्तर श्रेणी तथा विभिन्न प्रकार के समीकरणों का वर्णन है। उन्होंने अपने आर्यभटीय नामक ग्रन्थ में कुल 3 पृष्ठों के समा सकने वाले 33 श्लोकों में गणित विषयक सिद्धान्त तथा 5 पृष्ठों में 75 श्लोकों में खगोल-विज्ञान विषयक सिद्धान्त तथा इसके लिये यन्त्रों का भी निरूपण किया। आर्यभट ने अपने इस छोटे से ग्रन्थ में अपने से पूर्ववर्तीत या पश्चाद्वर्ती देश के तथा विदेश के सिद्धान्तों के लिये भी क्रान्तिकारी अवधारणाएँ उपस्थित कीं। आज भी आर्यभट के ज्ञान और उनके सिद्धांत का विश्व के लिए महत्वपूर्ण योगदान है।

विभिन्न विश्राम सदनों में फरवरी - 2022 की उपस्थिति

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना	एम्स, झज्जर
1	जम्मू कश्मीर			6		6
2	हिमाचल प्रदेश			6		
3	पंजाब				3	2
4	हरियाणा			10		114
5	दिल्ली	9		20	6	59
6	उत्तराखंड	1		8		5
7	उत्तर प्रदेश	1457	716	155		140
8	बिहार	611	29	166	1445	25
9	झारखण्ड	41	4	14	27	
10	सिक्किम					
11	नागालैंड				3	
12	असम	14		8		
13	मणिपुर /मिजोरम					1
14	अरुणाचल प्रदेश					2
15	त्रिपुरा					
16	मेघालय					
17	प. बंगाल	15		1	7	1
18	ओडिशा/अंदमान	9		5		2
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना			2		
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी					
21	कर्नाटक					1
22	केरल			3		
23	महाराष्ट्र /गोवा	4	2			
24	मध्य प्रदेश	54	2	51		8
25	छत्तीसगढ़	11				
26	गुजरात			3		
27	राजस्थान			37		11
28	अन्य	4				
	पड़ोसी देश					
29	नेपाल	8		11	12	
30	बांग्लादेश					
31	अन्य देश					
	योग (इस मास)	2238	753	500	1503	376
	योग (अप्रैल 2021 - फरवरी 2022)	23065	6635	4076	11100	1624
	एक दिन की औसत उपस्थिति	364	122	165	176	180

RNI No. UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र	फरवरी	योग अप्रैल - फरवरी 2022
(सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा)	187	1361
(51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब)	21	187
अम्बेडकर नगर	39	255
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर		
एलोपेथिक	311	2871
होम्योपैथिक	252	2554
रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ	240	2308
कुल लाभान्वित रोगी	1050	9536

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

चिकित्सालय में दी गई सेवाएँ

	फरवरी	योग अप्रैल - फरवरी 2022
नेत्र परीक्षण	502	3518
चश्मा वितरण	239	2209
मोतियाबिंद ऑपरेशन	50	94
पैथोलॉजी	52	176

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन, सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	सम्पर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू., लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
विश्राम सदन, एम्स, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, आई.जी.आई.एम.एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी